त्रैमासिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी

कक्षा : XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

हिन्दी भाषा

प्र.1. किसी एक विषय पर लगभग 400 से 450 शब्दों में एक प्रस्ताव अथवा कहानी लिखिए :- **[20]**

(i) कोशिश करने वालो की कभी हार नहीं होती" - कथन के पक्ष में प्रस्ताव लिखिए ।

(ii) क्या अध्यापन के दौरान छात्रों को उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर कक्षाओं में बाँटा जाना उचित है ? आपकी दृष्टि में कहाँ तक उचित है ?

(iii) 'आजादी के इतने वर्षों बाद भी आरक्षण' - राष्ट्रीय एकता से बाधक ।

(iv) बुरे फँसे ।

(v) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित कथन हों :-

(i) एक भयावह घटना ।

अथवा

(ii) जहाँ सुमति तहँ सम्पत्ति नाना ।

प्र.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :-

सम्राट अशोक के मन में कलिंग का पतन और अपनी विजय का परिणाम देखने की इच्छा का उत्पन्न होना स्वाभाविक था। अशोक सेना के अधिकारियों के साथ युद्धभूमि में गया। वहाँ जहाँ तक दृष्टि जाती थी, मृतक सैनिकों के शव, कठिनाई से साँस लेते हुए कराहते हुए हताहत सैनिकों की करूण चीत्कार, शवों पर मण्डराते हुए गिद्धों श्वानों और श्रृंगालों विलाप करते हुए बालक-बालिकाएँ, महिलाएँ और अभिशप्त से वृद्धजन दृष्टिगत होते थे।

यह सब देखकर अशोक का कठोर हृदय भी द्रवित हो गया और मन आत्म-ग्लानि से भर उठा। उसने अनुभव किया कि इतने लोगों का सुख छीनकर उसने जो विजय प्राप्त की है, वह तो पराजय से भी बुरी है। इतनी हत्याएँ, जन-धन का इतना विनाश किसलिए ? इस चिंतन से अशोक का हृदय मानवता के प्रति करूणा से भर उठा और उसने अपने अब - तक के नृशंस कार्यों के लिए प्रायश्चित करने का संकल्प किया।

बस, इतिहास उसी अशोक को आज भी श्रद्धा और सम्मान से याद करता है। कलिंग का भयावह युद्ध उसके हृदय परिवर्त्तन का कारण बना उसने प्रण किया, "मैं साम्राज्य के विस्तार के लिए अब कभी 'शस्त्र' न उठाऊँगा। भविष्य में मेरी विजय यात्रा 'शस्त्र विजय' के लिए न होकर 'धर्मविजय' के लिए होगी।" विचारों की इस क्रान्ति ने अशोक को हिंसा के छोर से उठाकर अहिंसा के छोर पर लाकर खड़ा कर दिया। उसने महात्मा बुद्ध के परम शिष्य उपगुप्त

Downloaded From www.icseboard.org

से बौद्ध धर्म की दीक्षा ली और लोगों की भलाई के कार्यों में लग गए एवं अपना शेष जीवन देश और विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रचार और प्रसार में लगा दिया। **[4x5=20]**

(i) सम्राट अशोक युद्धभूमि में क्यों गये ? वहाँ उन्होंने क्या देखा ?

(ii) अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किस उद्देश्य से किया ? युद्ध के प्रति उनके मन में घृणा क्यों उत्पन्न हो गयी?

(iii) युद्ध का परिणाम देखकर उन्होंने क्या संकल्प लिया। और क्या किया ?

(iv) आचार्य उपगुप्त कौन थे ? उन्होंने सम्राट अशोक को किस धर्म की दीक्षा दी ? समझाकर लिखें।

(v) ''कलिंग का युद्ध इतिहास की एक महत्त्वपूर्ण घटना है'' - क्यों ? समझाएँ।

प्र.3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कर पुनः लिखिए :- **[1x5=5]**

(i) ऊँट के गले कुत्ता की कहावत उन दोनों पर लागू होती है।

(ii) सज्जन व्यक्ति किसी का अहित नहीं चाहते ।

(iii) मात्रभूमि की रक्षा हमारा पुनीत कर्त्तव्य है ।

(iv) आज हमारा सूखा ग्रस्त देश है ।

(v) मेरे को मेरे सभी शिक्षक पसन्द करते हैं ।

प्र.4. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाएँ :- **[1x5=5]**

(i) रफू-चक्कर होना ।

(ii) बहती गंगा में हाथ धोना ।

(iii) टस से मस न होना ।

(iv) फूँक-फूँक कर पैर रखना ।

(v) साँप लोटना ।

हिन्दी साहित्य [12½x4=50]

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

''गद्य संकलन''

1. **भक्तिन - कहानी का सार लिखकर कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।**

2. **गौरी - विवाह तय होने के बाद भी किन कारणों से गौरी की चिन्ता बढ़ती जा रही थी ? अन्त में ये चिन्ता किस प्रकार दूर हुई ? उद्देश्य भी स्पष्ट कीजिए ।**

3. **पुत्र-प्रेम - ''व्यक्ति लोभ में किस प्रकार हृदयहीन और निष्ठुर हो जाता है।'' पुत्र-प्रेम कहानी इसका जीवन्त उदाहरण है। स्पष्ट कीजिए।**

Downloaded From www.icseboard.org

"काव्य मंजरी"

4. उद्यमी नर –"इस कविता में कवि ने श्रम और पुरूषार्थ की महत्ता स्थापित की है" – स्पष्ट कीजिए ।

5. एक फूल की चाह – कविता में कवि ने किस समस्या को उजागर किया है ? कविता के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश दे रहे हैं ?

6. साखी – 'साखियों' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि "कबीर की वाणी सीधे हृदय पर चोट करती है तथा उसमें एक सच्चे समाज-सुधारक की निर्भीकता झलकती है ?"

सारा आकाश

7. "कल्पनाएँ वास्तविकता से कोसों दूर होती है" – प्रभा ने अपनी सखी रमा को जो पत्र लिखा था, उसके आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. पठित अंश के आधार पर 'दिवाकर' का चरित्र चित्रण करें।

9. "मजबूरी में घुल-घुल और घुट-घुट कर मरने को भारतीय नारी की सहनशीलता का नाम दे-देकर, मत पूजिए .... मैं पूछता हूँ सीता का नाम लेते समय हमारा माथा शरम से झुक नहीं जाता ?" – इसकी सप्रसंग व्याख्या कीजिए साथ ही यह भी बताइए कि शिरीष के व्यक्तित्व का कौन सा पक्ष हमारे सामने उभरता है ?

Downloaded From www.rsseboard.org